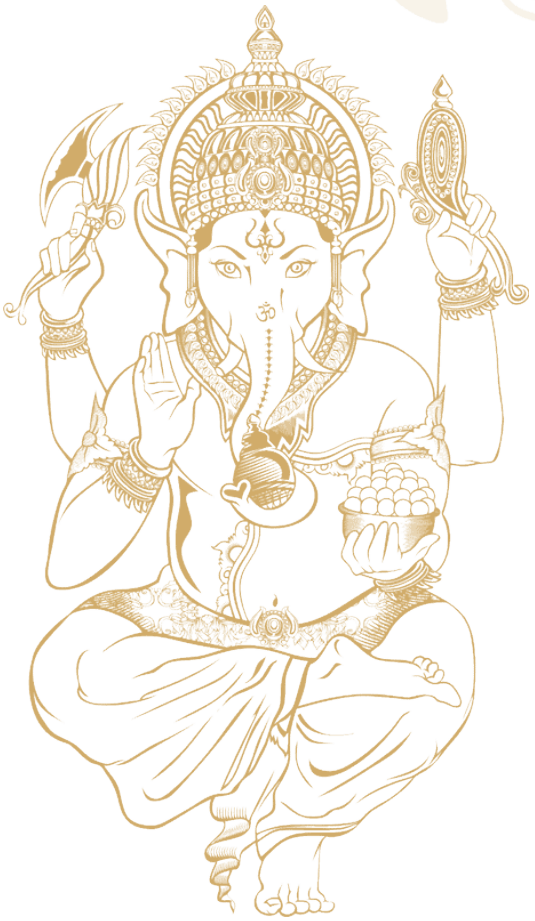

Rajni

24 Aug 1998

03:30 PM

Kurukshetra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121730606

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**24/08/1998**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**15:30:00 घंटे**
इष्ट	23:57:45 घटी
स्थान	**Kurukshetra**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:59:00 उत्तर
रेखांश	76:51:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:07:24 घंटे
वेलान्तर	-00:02:27 घंटे
साम्पातिक काल	13:17:20 घंटे
सूर्योदय	05:54:54 घंटे
सूर्यास्त	18:54:36 घंटे
दिनमान	12:59:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	07:12:33 सिंह
लग्न के अंश	10:39:43 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	साध्य
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पा-पल्लवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	10:39:43	339:23:04	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			सिंह	07:12:33	00:57:52	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			कन्या	03:38:04	12:05:20	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
मंगल			कर्क	08:29:24	00:38:33	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध			कर्क	22:08:25	00:03:42	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	सूर्य	शत्रु राशि
गुरु	व		मीन	02:03:19	00:06:32	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			कर्क	19:40:02	01:13:41	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	09:43:37	00:00:54	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु			सिंह	07:37:22	00:00:09	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	07:37:22	00:00:09	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	16:06:45	00:02:11	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	06:07:56	00:01:20	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	11:28:43	00:00:16	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	27:05:34	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:10

लग्न-चलित

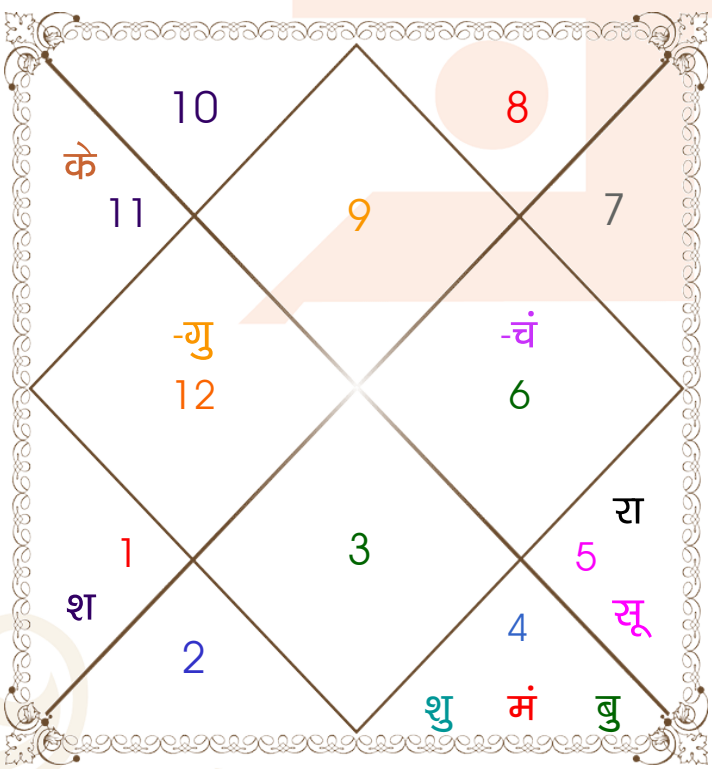

चन्द्र कुंडली

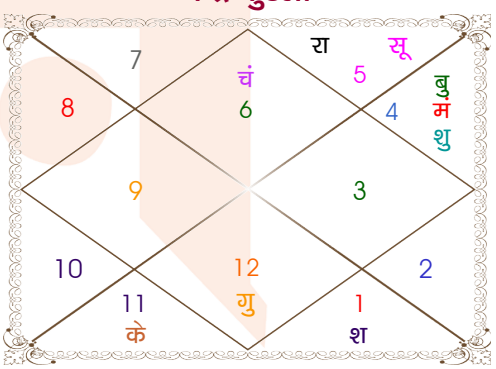

नवमांश कुंडली

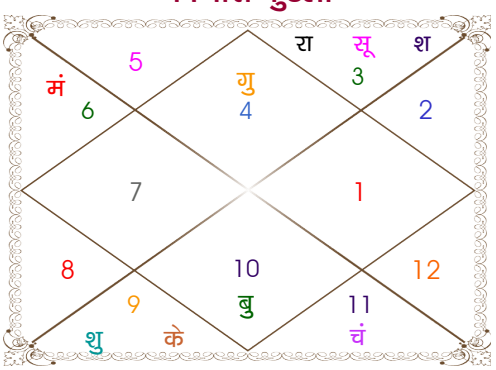

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 10 मास 11 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
24/08/1998		05/07/2001		06/07/2011		06/07/2018		05/07/2036	
05/07/2001		06/07/2011		06/07/2018		05/07/2036		05/07/2052	
	00/00/0000	चंद्र	06/05/2002	मंगल	02/12/2011	राहु	18/03/2021	गुरु	23/08/2038
	00/00/0000	मंगल	05/12/2002	राहु	20/12/2012	गुरु	11/08/2023	शनि	06/03/2041
	00/00/0000	राहु	05/06/2004	गुरु	25/11/2013	शनि	17/06/2026	बुध	12/06/2043
	00/00/0000	गुरु	05/10/2005	शनि	04/01/2015	बुध	04/01/2029	केतु	17/05/2044
	24/08/1998	शनि	06/05/2007	बुध	02/01/2016	केतु	22/01/2030	शुक्र	16/01/2047
शनि	24/04/1999	बुध	04/10/2008	केतु	30/05/2016	शुक्र	22/01/2033	सूर्य	05/11/2047
बुध	28/02/2000	केतु	06/05/2009	शुक्र	30/07/2017	सूर्य	17/12/2033	चंद्र	06/03/2049
केतु	05/07/2000	शुक्र	04/01/2011	सूर्य	05/12/2017	चंद्र	18/06/2035	मंगल	10/02/2050
शुक्र	05/07/2001	सूर्य	06/07/2011	चंद्र	06/07/2018	मंगल	05/07/2036	राहु	05/07/2052

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
05/07/2052		06/07/2071		05/07/2088		06/07/2095		07/07/2115	
06/07/2071		05/07/2088		06/07/2095		07/07/2115		00/00/0000	
शनि	09/07/2055	बुध	02/12/2073	केतु	01/12/2088	शुक्र	04/11/2098	सूर्य	25/10/2115
बुध	18/03/2058	केतु	29/11/2074	शुक्र	31/01/2090	सूर्य	05/11/2099	चंद्र	24/04/2116
केतु	27/04/2059	शुक्र	29/09/2077	सूर्य	08/06/2090	चंद्र	06/07/2101	मंगल	30/08/2116
शुक्र	27/06/2062	सूर्य	05/08/2078	चंद्र	07/01/2091	मंगल	06/09/2102	राहु	25/07/2117
सूर्य	09/06/2063	चंद्र	05/01/2080	मंगल	05/06/2091	राहु	05/09/2105	गुरु	13/05/2118
चंद्र	07/01/2065	मंगल	01/01/2081	राहु	23/06/2092	गुरु	06/05/2108	शनि	25/08/2118
मंगल	16/02/2066	राहु	21/07/2083	गुरु	30/05/2093	शनि	07/07/2111		00/00/0000
राहु	23/12/2068	गुरु	26/10/2085	शनि	09/07/2094	बुध	07/05/2114		00/00/0000
गुरु	06/07/2071	शनि	05/07/2088	बुध	06/07/2095	केतु	07/07/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 10 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।